

48

sh.
No. 36

~~37~~

824.

महागोका

प्री. सं. 4147 (87)

(~~पांचसक~~) 30-अष्टमी

कांतको मुरी

तला

श्री महट गोवर्धन

16/10/1980

(गुरुमुखी लिपि)

स्तुतिप्रयं वयभेभुः॥ प्रयभा॥ वयभा॥ इन्द्रदेव
 कदे॥ धर्मी॥ प्रयभाभुने एककुठिण्णे प्रयदे
 च्छेभुः॥ अथं विठज्जवत्तेयः॥ इण॥ भण॥
 युधय॥ प्रयय॥ अथं विठज्जि पाशुभत्तेयः
 भृग॥ इभा॥ भं॥ प्रयं॥ प्रयं॥ प्रययः॥ प्रयय
 भृगुं पाशु॥ प्रयय॥ प्रयय॥ प्रयतेयेते
 अयभभुतिनि॥ प्रययभदे॥ इभृगुं भृगु॥
 प्रययभदे॥ विठज्जि वयने॥ इयभय॥ प्रयय
 इभृगुं॥ प्रययभदे॥ इभृगुं इभृगुं इभृगुं
 नदे॥ विठज्जि वयने॥ प्रययभृगु॥ प्रययभृगु
 प्रययभृगु॥ प्रययभृगुः॥ प्रययभृगुः॥ इहंभहं एयि
 भविठ्ठे॥ इभृगुंभदे॥ इहंभहंभदे॥ इहंभहंभदे॥
 उहभा॥ भहभा॥ इभृगुंभदे॥ इहंभहंभदे॥ इहंभहंभदे॥
 भृगु॥ प्रययभृगुं॥ प्रययभृगुं॥ प्रययभृगुं॥ प्रययभृगुं॥
 पाशुभृगुं॥ प्रययभृगुं॥ प्रययभृगुं॥ प्रययभृगुं॥ प्रययभृगुं॥

क.
 के.
 ३०

99

उमेभ॥ प्रहः॥ शुभीकं नीभुतं येन येन उं सुद
 मानभूः॥ जीरुपदीनेभय कभुं विनेक
 उंभीसुरः॥ मउकु एरुमीकियभं उभ्रद्विथ
 लय - उभ्रद्विथमा॥ ममियेगेम॥ मवद
 उदएवएउगेभडिउसा दगिभुं मभं मरकडि
 दमउउउभु एउेभुजीया मरदिमउउदभ
 उउका॥ दकगउभुमउउउभुमउजीया
 उउेभुजीयभुमउउदंभुग॥ उउउउ
 वल्लेयभा॥ विगभमृदू नगिभु॥ एनऊग
 एनवृणेएनऊहं॥ विरूज॥ विरूणे॥ विरूणः
 विरूहं॥ एए॥ एएने॥ एएनः॥ एएनभा॥ ए
 एने॥ पलेथः॥ उवनमृटेडिडः॥ एएः॥ एए
 एएहं॥ एएगठिगिहमि॥ एएनलेथभु ल
 उवद्वद्वीयेभेद्वनिन॥ एएगएनि॥ नभ
 भुडे॥ लिमउउनकभुलेथः॥ दएएन॥ ए

वंभसु॥यसु॥यसुकि॥यसुनः॥यचा भसंये
 गरिहृल्लेयेन॥यसुनः॥यसुहं॥यचा॥य
 चत्रचडिभभावनामः॥यचाभचिचडिभमेम
 भाप्रेडि॥नामः॥परिनेय॥नउमे॥यचडि॥य
 चउः॥यचउ॥यचमुं॥दिपचग॥यनामः॥कि
 भा॥यनच॥यसुवग॥पाहु॥पाहुठिः॥पाहु
 - भोष्टयः॥पुत्रयः॥धकरक-भसु
 यः॥पयभुभउगभः॥भुग - पुनकालि
 थः॥नउभुमिपणयः॥भनवमिमीदः॥प
 ड्डनभा॥पाहुभु॥पवंभउना॥नवना॥रमग
 पयुचवभु॥पयुचवभु॥पयुचवभु॥भचभु
 विठडि॥यैकलिदके॥ममभउ॥भउगउभम
 द'उग॥पउभम॥पुमेः॥उउकगगभु
 निनयेः॥पउंभुग॥कमिपुच॥पमिभवे॥वि
 कारिनेभुः॥नभवर॥पुष्टि॥पयुठिः॥पयु

उमेभ॥ प्रहः॥ भुभीकंनेभुउंयेनयेउंउमु
 मानभूः॥ जीरुपदीनेभप्र कभुं विनेरु
 उंभीभुः॥ मउरुएरुमीकमभंउभ्रदृगिथ
 लय - उभरुदृभ्रमा॥ मरिपेगेम॥ मरद
 उदएवएउगेभउउवादीरुंमभंमरकउि
 दमउउउभ्र एउिभुजीयमरदिमउउदभ
 उउवा॥ दकगउभ्रमउउउभ्रमदृजीयम
 उउिभुजीयभ्रमउउदंभ्रग॥ उउउउ
 वल्लेयभा॥ विगभमृदृनदिभ॥ एनरुग
 एनयुणेएनरुहं॥ विरुग॥ विरुणे॥ विरुः
 विरुहं॥ गर॥ गरने॥ गरनः॥ गरनभा॥ ग
 रने॥ पलेथः॥ उवनमृटेउिदः॥ गरुः॥ गरु
 गरहं॥ गरगठिगिहमि॥ पइनलेथभ्रल
 प्रवदृदृीयेभेदृनिन॥ गरिगरानि॥ नभ
 भुउे॥ लिमउनकरभ्रलेथः॥ दगरा॥ ए

वंभसु॥ यसु॥ यसुनि॥ यसुनः॥ चचा भसंयै
 गमिहृत्तेयेन॥ यसुनः॥ यसुहं॥ चचा॥ च
 चचचतिभभावनः॥ चचा मचिचतिभभा
 भाप्रेति॥ नालः॥ परिदेग॥ नउमे॥ चचति॥ च
 चतः॥ चचत॥ चचहं॥ चचचा॥ चचाः॥ कि
 भा॥ चनच॥ यसुवग॥ पाहु॥ पाहुतिः॥ पाहु
 - भाष्टयः॥ भुजयः॥ भकगक - भसु
 यः॥ पभुभतगभः॥ भुज - तुनकगले
 यः॥ नउभुमिपणयः॥ भनवभिमिदीदः॥ प
 लुनभा॥ पाहुभु॥ एवंभपुन॥ नवना॥ रमग
 चपुचवभु॥ चपुचुचुचुचुचुभु॥ भचभु
 विठति॥ भवे कलि के मरुभभु॥ भउगउभभु
 द॥ उग॥ उगभु॥ भुभुमेः॥ उगकागभु
 ननयैः॥ उगभु॥ कमिदुचपमिभवे॥ वि
 कारिगेभुः॥ नभवर॥ चपु॥ चपुतिः॥ चपु

हः॥ चक्राक्ष॥ चक्राक्ष॥ सुदृष्टवेमक्षपाद
 वग॥ एतदुभयं दभ्रं मे भोम॥ अधः भुप
 यः मीयः मी च भुभुहू मे म कइ द... इंक
 द... कइ द...॥ दौ देहि दपणलिये॥ चभिन्न
 डि॥ दोदभुयः भुग॥ कइ प्रः॥ कइ प्रः॥ कइ
 दहं॥ कइ प्रि॥ कइ दनि॥ कइ दना॥ एवं मदि
 ना॥ यमक्षिना॥ चरभगा॥ प्रधना॥ भोमभय
 वमभयवः॥ भयवना मरुः॥ भयवतु॥ मरु
 पूयेडि भोमेहमविडिनिगभाउभा॥ भयव
 ना॥ भयवतु॥ भयवतुः॥ भयवतुः॥ भय
 वहुं॥ पके॥ भयवप्रणिगणवग॥ सुपुव
 भयिचंग॥ एधं वसुहं च प्रणिभुग॥ भयि
 नः॥ भयिच॥ भयवहभा॥ भयवसु॥ दम
 भवना॥ एवं वना॥ युवना॥ एम॥ एम॥ एम॥
 एम॥ एम॥ एम॥ विणपा॥ विरुहे॥ वि

92

[illegible]

卷之五

[illegible]

五

5

卷之五

97

[illegible]

क.
क.
३७

五

93

सुदनि देवदः सुद सुदेहं सुदि सुदनि
 उदभा उभे उभानि किं कं कनि कः कगी क
 वि कग क कुं म कुगि उत्रः उत्रधी उत्रंधि उ
 उध उत्रहं पयः पयभी पयर्गभि पय
 भा थयेहं एवं येयः शु पं शु थंभी शु पं
 मि सुदः पद क दभवं सुभ सुभानि मेः मेभी
 मेध मेहं मेधु शुन सुग शुन सुदी शुव
 सुंदि मेधं पं वग ॥ ॥ ॥ उडि शाङ्ग ननु
 न उंभ कलिङ्गः भम उः ॥ उडि छट्ट गेवच
 न विगमि ज्ञयं कउ उ के भ हं ध डिङ्ग निभ
 भा उनि ॥ ॥ ॥ विमै क दं देवने दं दे
 उउ दे सुदे च विनि पति ह्यभा भं सुउ पद
 लेम नय रेपि उव विन नग पवका दि
 रुका उराका ठिका गका छे देदे र वर
 दगे वये दये नयि वम कश्चिग पदय कभा

५३:५:५
 ५:५००५५:
 ५३५ - ५
 ५:५: ५५५
 - ५०: ५५: ५३

CC-0 Sharada Manuscripts at UPSS Lucknow, Digitized by eGangotri

30

不

येगठिण्ययेचाउंगद्वेपमनिभूः॥ कउरि
 रुमादिहसचउरुः॥ रुमादिहेसचउरुह
 सु॥ कउरुलेउमनेपदंभुग॥ उपदेमेउमने
 उेरुमादयः ॥ दुसुलेमठयभा॥ उउउरु
 भुभमयेहोमचउरुहेयसदिहसकउउ
 ठयपदंभुग॥ धरिउउयसुमयः॥ मेधदु
 उरिपाम्भपदभा॥ उऊरुभाहूउ कउरि
 पाम्भपदभुग॥ शीलिलीलिलिपुषमभएभे
 उमः॥ दुयेःपदयेभीलिलीवमचनिरु
 भामुषमभएभेउमभंलुनिभूः॥ लधंभ
 रुधंभलुपिउेष्टपदभा॥ उमिडिलुपक
 ग॥ नमिपुषलुभनेपिपुषमः॥ विठरु
 उंलिगंनभउमिदुपुलुभनेपिउउैः
 पुषमः॥ पदधःभुग॥ पुमरुः॥ पुषलुभने
 पुकदवागदः॥ रुमउयकेकउरिहूडिउरि॥

三

[illegible]

उ पु नि पु व पु भ जं पु रं च तं पु षा पु भा ॥ ले
 पु व दै ॥ पु भ दै ॥ च व त ॥ उ ह्नि ग मि धि उ उ च व
 सुः ॥ च व उ ग ॥ च व उं ॥ च व त ॥ दि क म दै उः ॥ पु
 क ग द्वा भु दे ले पः ॥ भु ग ॥ त उ दै उः ॥ च व ॥ च व
 उ ग ॥ च व उं ॥ च व उ ॥ च व नि ॥ च व च व व म ॥ ह म
 नी दि उ भा ॥ पु ना ॥ मि उ भा ॥ उ पु भा ॥ व भ उ पु उं
 च उ षा भा ॥ पु षां पु भा ॥ उ व दि भ दि ॥ च दू उ
 दि ह्नु भु त्ति उ नी रि प उ डि प ॥ पु भु प ग
 भु ग उ ग मि र क ग ग मः ॥ भु ग ॥ प द्वा उ पु हं
 पु ष मः ॥ च व उ ग ॥ च व उ भा ॥ च व ग ॥ च व
 च व उ भा ॥ च व उ ॥ च वं ॥ च व व ॥ च व
 म ॥ त व भे व द्वा उ नी ॥ द्वा उ य त व द्वा उ नी भं ह
 भुः ॥ मि ल द्वा उ उ भा ॥ उ द्वा उ पि व डि ह्नु हः
 मि गः पा भै ॥ त हः प ग भु मि ले ल क ॥ भु ग
 पा भै प द्वा प ॥ च वः मि लु कि ॥ पु ले न भु ग

क.
 ३३

वः॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कृष्णं कृष्णं कृष्णं
 रिङ्गगभः भृङ्ग ॥ नडयकगमेः ॥ वक्रुविष
 चक्रुवचः ॥ वक्रुवचक्रुवचक्रुविष ॥ वक्रुविभ ॥
 सुभुतीङ्ग ॥ उगीङ्गभा ॥ उगीभङ्गभुभा ॥ उ
 भुङ्गभिङ्गभुभा ॥ उभुभा ॥ उउगीङ्गभा
 उमेङ्गभवेङ्गभवेङ्गभवेङ्गभवे ॥ उभवे ॥ उवि
 उ ॥ उविउगी ॥ उविउगः ॥ उविउगी ॥ उविउ
 भुः ॥ उविउभु ॥ उविउभि ॥ उविउभुः ॥ उ
 विउभुः ॥ उमीङ्ग ॥ यभुभा ॥ यभुभा
 यभा ॥ यभु ॥ यभु ॥ यभभा ॥ यभु ॥ यभभी
 भभीयभुभा ॥ भीरग ॥ भीभुभा ॥ भीयभु
 भा ॥ भीभुभा ॥ भीयभी ॥ यदिभी ॥ भदि ॥ भुमि
 धियपरभ ॥ गुलेचभृङ्ग ॥ यकगदिङ्गदि
 उ ॥ कृयग ॥ कृयभुभा ॥ कृयभुः ॥ कृयः ॥ कृ
 यभुभा ॥ कृयभु ॥ कृयभभा ॥ कृयभुः ॥ कृयः

क्रयभुभा॥ क्रयभु॥ क्रयभभा॥ क्रयभु॥ क्रय
 भुभंदिनिहनीनिठविष्टुतीभुतिभुतभा
 भुति॥ भुमिभुसभा॥ भुस॥ भुमिभुवभा॥ भु
 भभा॥ भुतेष्टेष्टुतेष्टुमेवष्टेष्टुष्टुवदेष्टु
 भदे॥ भुनयेगः॥ पसु॥ लपिष्टु॥ तिष्ठिभुतिभुत
 मिष्टु॥ तिष्ठि॥ प०॥ नभा॥ निमिडा॥ दृष्टयविकार
 गमभुः॥ मिः॥ धृष्टभा॥ नमिभक॥ क॥ ग॥ द॥ हः॥ प
 रः॥ पृष्टयविकार॥ गमभुः॥ भकः॥ धृष्टभा॥ प्रे
 ति॥ ठविष्टुति॥ ठविष्टुतः॥ ठविष्टुति॥ ठविष्टु
 मि॥ ठविष्टुसः॥ ठविष्टुस॥ ठविष्टुमि॥ ठविष्टु
 वः॥ ठविष्टुभः॥ हृ॥ नी॥ नि॥ रि॥ य॥ ति॥ प॥ तिः॥ भु
 ग॥ भु॥ जभा॥ भु॥ ग॥ भुः॥ भु॥ जभा॥ भु॥ त॥ भुभा॥ भु॥ व॥ भु
 भ॥ भु॥ ज॥ भु॥ त॥ भु॥ सः॥ भु॥ स॥ भा॥ भु॥ स॥ भु॥ स॥ व
 दि॥ भु॥ भदि॥ भु॥ भदि॥ नि॥ हृ॥ नी॥ नि॥ रि॥ य॥ ति॥ प
 तिः॥ भु॥ ग॥ प॥ ठविष्टुग॥ प॥ ठविष्टुजभा॥ प॥ ठविष्टु

卷之七

52

三

不

मेदिनीपु

卷三十七

平
平
33

भलि पञ्चमे रि षलि ॥ गमिष गामर गमर मि
 ड गहृ ग ॥ गमिभृति ॥ पमिभृति ॥ ॐ नमः
 महे ॥ नः ॥ एहृ हेलभृनः भृग ॥ नमिड गम
 ग ॥ पम गडि यमनेम ॥ पमडि ॥ पमग ॥ पमउ
 पमग ॥ पुमीग ॥ मीये हुते ॥ उमर गमभः पम
 मिनु डे डेयेगः ॥ उडमी यमक गमभृमि
 वक गमभः भृग ॥ एडि गडि डे डेयेगः भृग
 पुनर ॥ पुनरुडः ॥ पुमिड पमग ॥ पुमिभृ
 डि ॥ पुमिभृग ॥ धक गमरुः ॥ नमरुडि डि
 धक मिडि एहृमि भमिषेठः ॥ धकडि
 डप गड ॥ एपडि ॥ एपेग ॥ एपउ ॥ एप
 ग ॥ ॐ ॥ डिव रुषः ॥ नमभृ भवले ॥ प
 हृमभृ वलि वलयै रि यवेभुः ॥ पमवले भृ
 ने ॥ डपडुपडः ॥ डवे पिष ॥ एमीपड ॥ डप
 ग ॥ एपडुडि ॥ एपिपडुग ॥ ॐ एगडिभृ

३७

來

मभुत्तुं निहभनिहं वनिह्वेत्तुत्तुं नदि॥ भु
 ग्गुत्तुं नंत्तुत्तुं नभपेत्तुमेत्तुत्तुं नंत्तुत्तुं न
 इभनिहंत्तुत्तुं नभपेत्तुमेत्तुत्तुं नंत्तुत्तुं न
 ग॥ ५८५॥ विवयिषविषय पुण्यतिहमे
 वभुत्तुं॥ ५८६॥ विविष्टिभ॥ वत्तुत्तुं न
 यात्तुत्तुं॥ वेष्टि॥ पुण्यत्तुत्तुं॥ पुण्यत्तुत्तुं
 ग॥ किकये॥ कयत्तुत्तुं॥ भुत्तुत्तुं विवले
 वत्तुत्तुं॥ पुण्यत्तुत्तुं॥ पुण्यत्तुत्तुं॥ पुण्य
 लभुत्तुत्तुं॥ पुण्यत्तुत्तुं॥ पुण्यत्तुत्तुं॥ पुण्य
 मिह्वेत्तुत्तुं॥ नभुत्तुत्तुं॥ यत्तुत्तुं॥ यत्तुत्तुं
 श्रीयित्तुत्तुं॥ नभुत्तुत्तुं॥ नभुत्तुत्तुं
 पुण्यत्तुत्तुं॥ पुण्यत्तुत्तुं॥ पुण्यत्तुत्तुं
 श्रीयित्तुत्तुं॥ पुण्यत्तुत्तुं॥ पुण्यत्तुत्तुं
 केष्टि॥ पुण्यत्तुत्तुं॥ पुण्यत्तुत्तुं
 पुण्यत्तुत्तुं॥ पुण्यत्तुत्तुं॥ पुण्यत्तुत्तुं

चक्रलीज॥ कल्लव द व ॥ ये ॥ कलडि॥ दमय
 उभुक ॥ सुभेरेरुनरुन नंमरु पदि पर भे
 पदमिम ॥ म्मि न भुड ॥ चकलीज डि ॥ क ग ल
 जेपडे ॥ पुपिड ॥ पिडिपि धुपि वीपि मपि क
 पि किपि लिपि लपि भपे ॥ पाडा ॥ गहः प
 रभु भव ण्ड क भु र भु ग ॥ पडि ५ च डि भ
 डभा ॥ डि डि पे डि डि पि धे ड र भि धी भु ॥ १५
 धा ॥ ल ह य भा ॥ १५ ॥ उमर व रु ह डे ण ॥ चर
 पि भु ॥ चर ५ ॥ चर ध ड भा ॥ ६ ॥ ल ल ण र प म
 डि र डि म ठी नंम ॥ ग ध भ भु भु भ भु भ भु
 प म ॥ च ५ ॥ यं पं क यं भं क व लि म ॥ ३
 प र प ड र पि ड र ५ ॥ ल ठी ग र वि र भे ॥ ४
 पि ल ठे ॥ भु र ॥ भु र ॥ न क ग म ॥ भु ग
 ल भु ड ॥ च ल भि भु ॥ ५ ५ ॥ क ल ॥ ५ ५ ५ ५
 वि डि प नं ग य ॥ ग ह ५ य ॥ भु ग ॥ ५ ५ ५

क.
 क.
 म.

गुः उणवडः भनमिष्टु ह्यनुण्ड भंष्टु :
 भूः भना यिना कष्टु पुयि विवन्ना उना
 य पुयली यणा अनिना भनम्यः उण्ड
 ह्युम्यः गेथयति पुयली यद्विनि
 ऐभाचण्डकेवेष्टु सभूमलेथः सभा
 चण्डकेथे सगेथयीग सगेथीग सगे
 भीग सगेपुभा मकभूमह्ययण्डह्यु
 भूरेकयभा गेथयण्डकणगेथयाभम :
 गेथयां वरुवण्डगेथयापुपडः हगेथिष
 हगेपुण्डपुथिवण्डपुपुगेथयिण्डगेथि
 उगेपु गेथयण्डग उपुग गेथयिष्टुति
 गेथिष्टुति गेथुति एवंपुपभण्डपप
 ह्यवण्डभुडे पनम पण्डयेड पनयडे
 कपुधाभदने कमडे सकभिषु सकंभुम
 कभिषमकंमः सकभिषेदे वभिष भण्डु

णउवभेयः भुग - इमकः दे कमकते
 कमेरिनिइऊहः कगिउभेसुसु अमु ५८
 डिमीयः कभये मिमूभकभिकगिउतेह
 स कउगि भूमिहः कगिउतेहसु मनीभ
 ग कउदहउतं भिमेराणः कगिउभुनमि
 का - कगिउभुलिपः भुग भुमिद्रि कर
 हउभिरुये ऽनिउंभुनिकदिडि वगन
 कभा डिचऽभभनलिपेपणया रुभस
 ि यभुभभनवहनेन लभुउ उभेपणया रु
 धः भुग ऽनिम धरे पलेयेभभनभुभउ
 हापनिम धरे भभनवलभु लिपाठवेभ
 डि महभभुलपनिम धरे भभनवलभु
 लिपाठवेभ डि महभभुलपनिम धरे भभन
 कदभुग म धरे ऽनि भभुवलभु भत्रिमि
 उभुहभभु वलेभेसुमीये ल षिः ल

क.
 के.
 २०

अनिपरेह भभुल ये दीयः भुग ॥ अनिपरेह
 मणीकभउ मणीकभउ ॥ मणीकभउ ॥ धके ॥ म
 मकभउ ॥ कभयं ॥ मरेण ॥ कभेक भयिग ॥ कभि
 उ ॥ कभयिधीधुधुउ ॥ मक भिधुउ ॥ ध ॥ भभुके
 भनति ॥ भभन भनउः ॥ येव ॥ अनिभनि एनभ
 कगेतु रेमे वभुग ॥ यम वपुले ॥ भायग ॥
 भउग ॥ मभवनमे ॥ भिपुक्त भुगभभनि ॥
 तथे दीयः भुग ॥ अनिपुगभति ॥ पुष्टिं मभ
 डि विमभति ॥ भउरुव दीयः ॥ मभ भीग ॥
 भपम विरेके ॥ हनिमिह मिह मिह मिह
 मिह मिह मिह मिह मिह मिह मिह मिह मिह मिह
 भाव एउके यउ धुउ ॥ रुमः पाभे दीयः
 भुगनि ॥ यउ धीधुउ ॥ रुधुति ॥ रुभति ॥ भुभु
 हुं मभभे ॥ पुष्टिं पमनि मिह ठव एव ह
 भिलभुग ॥ मभभीग ॥ मयगति ॥ मयउ ॥

लीनिरुद्धमं वृत्त पदहृषि प्रतिभुत्त ह
 धृपेपेयभनः ॥ अउ विं मडि रुपभनभंरु :
 धृः उपभनधृयते ॥ अभिचरो उपभनधृ
 येरदधृलहं धृग ॥ पलायते ॥ सुयउधृ
 यिधृ ॥ रुकग ॥ रुउधृहृषपरोय ॥ एउउ :
 धाधृ मीरुउनी परो कभधृमैवेधृउ
 धृयिधृं धृयिधृभा ॥ अभिधृयिधृरिधृ
 हृष ॥ एहृधृभा धृउ ॥ परो कायं ॥ धृयं मरे
 धृयिधृ ॥ धृयिधृभीधृ ॥ धृयिधृभीधृं ॥ धृयिधृभी
 धृभा ॥ धृयिधृउ ॥ धृयिधृउ ॥ एवे मय धृनग
 डिउक ॥ दिंभा धृनेध ॥ एधृयीकहे ॥ धृ
 यते ॥ मीध एन वप धृगिधृयिधृयिधृउ
 म् ॥ धृउ ॥ धृउउधृ एकवमने उमके कउनि
 उमधृलेधः ॥ रुमि धृवपा विडिभचधृ
 धृयिधृयिधृयिधृ ॥ धृयिधृयिधृयिधृ ॥

क
 के.
 ६३

कावेच
५०३-५०४

णिउः णिउवः णिभः भउभुं म णिउविक
 १०० भुमपुलेन भुग णिउयाग उकरा न
 सुभद्रिका सुद्वैपः भुग णिउणिनव
 निणिनव वणिनवम णवंडुविदिंभा यभा
 गद्रुविलैदने गादो ॥ ५५ ॥ सुगादिभुदे
 मः दभुमः भुग ॥ पटिपमउम ॥ भकणे
 डिठः उवमभुडि मः केकलेपेमीय से
 पणयाः मकराभुमकलेपः भुग ॥ उ
 पणया ममीयः सुगा म इतीया मउम
 ठरुउभुमउं गमि मउउं भुग ॥ भकणे
 महेम धकेकः मे ॥ धभुमभुमभुमभुम
 मभाकउभा ॥ सुगादिधेराभाकेरा
 गादिफेरागादिमुले थाफेगादिउगा
 मगादिधीधुभाकीधुगादिधुउथा
 हउ ॥ गद्रुदले गदो ॥ ५६ ॥ सुगादिभु

क.
 ५३

गङ्गेरुम भंयोगदुःभकरककरयैत्रिः
 भृगु पटिपदुम धर्मेकःभ प्रकीर्ण प्र
 किर्ण प्रधुमा प्रकिर्णः प्ररुः प्रकीः ३
 प्रकिर्ण प्रकं प्रकिर्ण प्रकिर्णकप्रकिर्ण
 नध प्रकिर्ण प्रधु प्रकिर्णप्रि प्रकिर्ण उरु
 उरुकरल उरुप्रुकरल उरुकरिभाचणउके
 नवाकप्रुः उरुकिर्ण उरुकिर्ण उरुकरल किं मरु
 कतिवर्णः प्रकीर्ण प्रधुमदीयः हारु
 नरुभरिभमिपारभैपदकरधुमदीयः प्रु
 ग प्रकीर्ण प्रुकिर्णभा प्रुधुमा मिध
 दिभयभा मेधतिमेधग द्विधिप्रुकिर्ण
 विप्रुविप्रुविप्रुविप्रुविप्रुविप्रुविप्रु
 विप्रुधः धरुग लहः प्रधुभचणउकप्रु
 एनधधुकरः प्रमिकर मिमेधमिमिधमि
 प्रमेधमिधुग मेधति उधरिधदिभयभा

क.
 क.
 ६६

ॐ धति ॥ श्री धी ग ॥ ॐ ध ॥ वेष भद्र उरु ध
 रि धंते ॥ अहः परा धु उरु भवण उरु धु
 सु गे धि उरु धु नि धि धु ति ॥ अ वं रि धा ॥ उ ध
 क दे ॥ अ ध ति ॥ अ धी ग ॥ उ ध वि र स ग हे
 क ॥ अ हः परे क य धा धु धु ग ॥ अ धं
 म क र उ वे ध उ ध डः ॥ उ वे धि स र धि र
 उ धा ग ॥ अ धु म र ॥ अ धु परे क य धा
 मि धि क म ॥ य धि ध य म र ये गे न धु
 अ धा ति ॥ अ धा ति ॥ उ र धु क र र र र ति म
 डि म मि ह स धा भे अ हे ॥ अ धा ग ॥ अ धु
 उ र धं धा भे धे धे धे ॥ अ धा म ग ॥ अ धा ति ॥ अ धे :
 भा ग ॥ अ धु ति ॥ अ धु ग ॥ उ र धी धे धे धे
 अ धु ति ॥ उ र धि हे धु र धं व धि धा भे ध
 रं व धु मा ॥ अ धा ति ॥ उ र धी धे ॥ अ धु ति
 ग ॥ अ धा भा ग ॥ सु ति ॥ अ धा ति ॥ अ धु ति

भुयसंयेधंनिभिउंउं ८ कभउ कभउ
 कभः भभू भभू ॥ भभू छवति भभू भु
 याः भभू भभू ॥ भभू भुयाः पठिको
 ये भभू कभू न भिहउः ५ का हृति
 भभू भभू भभू हृति भभू भभू भभू
 भभू भभू भभू ॥ भभू भिहउं भिहउं ८
 उव वउं वउं वउं भिहउं वउं वउं
 वउं भिहउः भुभनिय वभभू पं वभू
 उभे न व भुभनिय ॥ भिहउं उभे न व
 वः वभू भिहउं वभू भभू भभू
 लः वभू भभू लकाः भभू कभू वभू
 वभू भभू वभू भभू भभू भभू ॥ भिहउं
 वः वः वभू वभू भभू भभू भभू
 भभू भभू भभू भभू भभू भभू भभू
 भभू भभू भभू भभू भभू भभू भभू

क
 क
 ५५

उभि मन्त्रपः गी कठवः कलु कलिक म
 कलु मे कलिक धी कलु धी कलु उभि न
 मे कलिक कलु कलिक मे कलु मे मे
 ह्य कलु पारु पदे भागे भाव एउ कलु
 मे कठवः कलु उ कलिक धु उ कलु उ
 कलु ग कलिक धु उ कलु उ कलु उ
 यमल नयेः कलु उ कलिक कलु उ प
 कलु भह भभु भभु भभु भभु नम
 भु भभु भभु भभु भभु वि ह्ये ह्ये
 उ कलु गति कलु उ कलु कलु कलु
 ग कलु कलु कलु कलु कलु कलु
 ह्ये कलु उ कलु उ कलु कलु कलु
 कलु कलु कलु कलु कलु कलु
 कलु कलु कलु कलु कलु कलु
 कलु कलु कलु कलु कलु कलु

२

[illegible]

五

तिमिहमिदिभायभायसुदनेनेदेषविमशयेनेलियपुरयवे
दियघुडिभन्नेनेमीयगरेकुलभन्नेनेभन्नेनेज्जदमने

卷之二十一

लघु॥ लधउ॥ ललाधलेष॥ उरुभेकाल॥ गे
देडुदभणयाः॥ उदेनलेहोउपणयउ
काःश्रुग॥ गुदति॥ गुदते॥ मगुदीग॥ ५६
ठवेमन्॥ मभकग॥ मगुदिधु॥ इदेदिदि
लिदिउदभहुइहाभाझेपेष्टृमेप्रिम
लेलपावउष्टः फः ठः फः लेपेपणमी
धि॥ मगुक॥ मभकउ॥ मनेहोधः॥ मभ
कउभा॥ मभकउ॥ मगुफः॥ मभकवा॥ म
अकुं॥ मभकवं॥ मभकि॥ मगुरुदि॥ मभ
कादि॥ म्हेकिं॥ मभकभयि॥ मगुदरागु
दे॥ गुदिता॥ गुफ॥ उहग॥ गुदिधीधुअकी
धुमिरा॥ मेकयां॥ मयति॥ मयेउ॥ मिहू
भूउतिमन्॥ मनि॥ मियज॥ मनि॥ मियउ
मयिता॥ हागाठाल॥ हातिठगे॥ जेरुष्ट
तः॥ वणा॥ वामा॥ गदितादुदउणे॥ कभुरादु

卷八

[illegible]

可
可
工

न केवञ्च न न्यस्तुः अनि यस्तुति भिक्षुपः
 मन्त्रं केवञ्च कृकेटिने नगति न्नेम
 मन्त्रदीप एतन्त उच्चभेगदेः पुनः भू
 द्यौक्याभयुल्लेखनरुतः एतदः एतदु
 रुक्मिनियभक्ति एतद्विद्वत्ता पुन
 तिभयैगद्वैः चैतः भयगते न कर्तव्य
 पुनः भूत यन्निभुमीदकर्म नर
 ज दन्तुष्टुनिरुति भुमवैपदापयैः
 भगति भुजगतिवेण मधुगीम मधुकी
 ज मधुगिष मधुत रुक्मिनियभक्तिद्विभण
 मधुगिष भुजगति दन्तुष्टुनिरुति
 नन्ते दन्तुष्टुनिरुति मधुगीम मधुकी
 इभिल वस्तुः भुगति भुगति भुगति
 वः अनिष्टवति मधुगीम मधुकी
 नि पुनः भूत मधुगीम मधुगीम

युधिष्ठी
 भक्तिभिल
 धौक्याभयुल्लेखि
 धेः १५ः
 दन्तुष्टुनिरुति
 दन्तुष्टुनिरुति
 युधिष्ठी
 उतिनिष्टः १५ः
 भुजगति

गं भुजगतिभिलः

कर्मिष्टवेण भभडभभवभडाभियाग
 भगिष्टि उगतिभपयेः सुउच्छुः
 अनिच्छुति चठेग सुगज द्विचपकर
 उरलभुमीयः दहिः उर सुउतः द्वाक
 हुदंनदीतिनिहमिण परिष सुग गुलि
 डीतिगुलः सुदग परिष्टि भूगडे भू
 वति मिडभूडतिमल्ल सुभसुवडा उ
 भः डिनय भभेष उउगुनर कभकूव :
 उउउल्लयिडेकाग उउकभगमिड
 भूग भूग भूयाग भूष्टि एवंभूग
 डे भूभवेसुदयेः भवति भूभप्राहुः
 धाम्भ लः भिमडण भूभप्राहुः पदे सु
 भावीग भभेष भूभविषभूभविषभेड
 भूयाग सुसुव ल सुवः मम सुभभवि
 कालः भूग सुसुव सुसुवः सुनेरण :

क.
 ५.
 ५.